तर्ज--चंदा को ढूंढने सभी तारे निकल पड़े

अपने पिया को छोड़ कर घर से निकल पड़े
देखा ना उनके प्यार को बस यूं ही चल पड़े

1-अपना ठिकाना छोड़ कर,करके उन्हे जुदा
और आ गये जहां मे हम,करके उन्हें खफा
आयी जो उनकी याद तो आंसू निकल पड़े

2--भूले जो अपने धाम को,आना पड़ा उन्हे
खातिर हमारी दुखो को,सहना पड़ा उन्हें
आई न होश धाम की माया के फंद पड़े

3--माया में आये शान से,घबरा के जायेगें
पूछेगें सैयां प्यार से,लब थरथराऐगें
सिर ना उठेगा सामने चरणों में गिर पड़े

Nijanand App